डी. पी .एस .दुर्ग के वार्षिक दिवस समारोह

प्री प्राइमरी विंग और कक्षा पहली और दूसरी की

प्रेस रिपोर्ट

दिल्ली पब्लिक स्कूल, दुर्ग के प्री प्राइमरी विंग और कक्षा पहलीऔर दूसरी ने गुरुवार, 5 फरवरी 2026 को अपने 21वें वार्षिक समारोह को बड़े उत्साह और उमंग के साथ मनाया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में श्री ललित चंद्राकर विधायक [दुर्ग]उपस्थित रहें।

निदेशक और प्रधानाचार्य मैडम पुनीता नेहरू, प्रेस के सदस्य, अभिभावक, शिक्षकगण और छात्र उपस्थित थे। सांस्कृतिक कार्यक्रम की आरम्भ पारंपरिक दीप प्रज्वलन से हुई ,जो ज्ञानऔर उज्वल भविष्य का प्रतिक है। निदेशक मैडम ने हार्दिक अभिनन्दन करते हुए प्रेरक और उत्साहवर्धन संबोधन दिया और सभा में सम्मानित मुख्य अतिथि का परिचय कराया।

कार्यक्रम का विषय ''अभिव्यक्ति-द एक्सप्रेशन" था, जो बच्चों केआत्मविश्वास,रचनात्मकता और व्यक्तिगत प्रतिभा को उजागर करता है।प्रस्तुतियों में उत्साही गीत , एक्शन सॉन्ग 'शाइन योर वे ' ''चिकन डांस', 'मिकी मिन्नी', 'रिदम और फ़न 'थे जहाँ बच्चे जीवन में फिटनेस और स्पॉक के महत्व को दिखाया, छत्तीसगढ़ी और कश्मीरी नृत्य भारतीय संस्कृति की समृद्ध विरासत को दर्शाते हैं।कार्यक्रम के मुख्य आकर्षक का केंद्र रहा हिंदी नृत्य-नाटिका "परवरिश –"संघर्ष से सफलता तक "

जिसमें बच्चों ने मेहनत और धैर्य के माध्यम से सफलता की यात्रा प्रस्तुत की और दर्शकों को प्रेरित किया।

मुख्य अतिथि ने अकादमिक और सह-पाठयक्रम क्षेत्रों में उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए मेधावी छात्रों को पुरस्कार वितरण कर उनका मनोबल बढ़ाया।भारत को पुनःसोने चिड़िया और विश्वगुरु बनाने की बात कही। भारतीय संस्कृति और सभ्यता को जिवंत रखने पर बल दिया।

धन्यवाद प्रस्ताव नविशा वडेरा कक्षा दूसरी की छात्रा द्वारा प्रस्तावित किया गया था और कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। कार्यक्रम का कुशल समन्वय अकादमिक समन्वयकों श्रीमती सादिया फारूकी औरश्री मती नवनीत रेखी ने किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम का कुशलतापूर्वक संचालन तनेशिन अग्रवाल, कुहू राठौर, शशिकांत पंत मन्नान ठाकुर, कृतिका ए.जी ए गणेश, रेयूश नायर और मोरा मिश्रा ने किया ।जबकि प्री -प्राइमरी स्तर का संचालन रूद्र शर्मा ,जैनब इकबाल ,दिव्यांश तान्दोंन,सुशांत देव ,मार्वी मिश्रा और स्वरा बेंन्दे ने किया ,जिनकी मासूमियत और आत्मविश्वास ने कार्यक्रम में चार चाँद लगा दिया।

ओपन -डे ने डी.पी.एस दुर्ग की समग्र शिक्षा ,प्रतिभा पोषण और बच्चों के आत्मविश्वास-अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करने की प्रतिबद्धता को दर्शया और यह सभी की लिए अविस्मणीयअनुभव रहा।